NT>

Title: hRegarding disinvestments of Indian Tourism Development Corporation's (ITDC) Ashoka Hotel in Gaya, Bihar.h

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुझे आज ही सूचना मिली है कि डिसइनवेस्टमेंट पर मंत्री जी बयान देंगे। मैं बताना चाहता हूं कि गया में आईटीडीसी के अशोक होटल, जहां बुद्धिस्ट जाते थे, वहां सैंत एकड़ जमीन राज्य सरकार की है। राज्य सरकार से बिना पूछे हुए दो करोड़ एक लाख, ओने-पौने दाम में उस होटल को बेचने का पड्डैसला हो गया। राज्य सरकार से भी इसके लिए परामर्श नहीं किया गया। इसी तरह सेंटूर होटल का हुआ। बुद्धिस्ट सर्किट मशहूर है, वहां अशोक होटल लाभ में चल रहा था। वहां 200 करोड़ की केवल जमीन होगी और डेढ़-दो सौ करोड़ का भवन होगा। 300-400 करोड़ की सम्पत्ति को दो करोड़ एक लाख में बेचने का पड्डैसला हुआ। इस तरह से सरकार की सम्पत्ति बेची जा रही है। राज्य सरकार को भी धोखे में रखने का काम हुआ। आईटीडीसी के चेयरमैन, श्री लोहानी थे, उन्हें हटाने का पड्डैसला हुआ है, जो इसे लाभ में चला रहे थे। श्री जगमोहन ने इस लाभ कमाने वाले अधिकारी को अचानक हटा दिया, इसलिए कि वह डिसइनवेस्टमेंट के खिलाफ थे। सरकार की सम्पत्ति औने-पौने दाम में न बिके, लाभ कमाने वाली सम्पत्ति न बिके, देश न बिके, वे उसके खिलाफ थे, लेकिन उन्हें सरकार ने तुरंत हटा दिया।

महोदय, मैं सरकार से मांग करता हूं कि ये स्पट करें। मंत्री जी जब इस पर बयान देंगे तो इस बारे में भी बताएं कि कैसे 400 करोड़ की सम्पत्ति को दो करोड़ एक लाख में बेचने का पड्डैसला किया गया। यह राज्य सरकार की जमीन है, उसे बेचने वाले ये कौन हैं? â€¦ (व्यवधान) जमीन किसी की है और बेच ये रहे हैं। यह अंधेर एनडीए की सरकार में ही हो सकता है, दूसरी किसी सरकार में आज तक नहीं हुआ। सरकार इस पर बयान दे, बिहार की जैनता में बड़ा भारी रोा है। हम लोग इस पर हंगामा खड़ा करेंगे और फिर लड़ाई-झगड़ा शुरू हो जाएगा।â€¦ (व्यवधान)